जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 15 सितम्बर, 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिवर्तनकारी सुधारों के महत्व को समझने के लिए जामिया वेबिनार का आयोजन कर रहा है

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी आॅफ एजुकेशन का स्कूल ऑफ एजुकेशन एक वेबिनार की मेजबानी कर रहा है, जिसका विषय है ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिवर्तनकारी सुधारों के गूढ़ार्थ को समझना''। यह वेबिनार 16 सितंबर को सुबह 10.30 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

इस वेबिनार में राष्ट्रीय स्तर के वैधानिक और स्वायत्त निकायों के जाने माने शिक्षाविद, नीति निर्माता, शोधकर्ता और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के पूर्व और वर्तमान कुलपति, उप-कुलपति आदि शामिल होंगे। इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के परिवर्तनकारी सुधारों के विभिन्न आयामों पर गहरी चर्चा होगी।

जादवपुर विश्वविद्यालय (पश्चिम बंगाल) के कुलपति, प्रोफेसर सुरंजन दास वेबिनार का उद्घाटन करेंगे और उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जामिया की कुलपति, प्रोफेसर नजमा अख्तर करेंगी।

एनईपी 2020, 1986 में, 34 साल से पहली बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जगह लेगी। इसका उद्देश्य स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी सुधारों को आगे बढ़ाना है। नई नीति की सिफारिशें भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक अभूतपूर्व बदलाव लाकर, स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम को अधिक कौशल-उन्मुख बनाएगी। इससे, छात्रों के अध्ययन के तरीके में ही नहीं बल्कि परीक्षा पद्धति के तरीकों में भी बदलाव होगा। नयी शिक्षा नीति में स्कूलों और कॉलेजों में विषयों को चुनने को भी बहुत लचीला बनाया गया है।

इस नीति के आने के साथ ही इस बात की जांच करने की भी ज़रूरत है कि नई एनईपी, भारत के स्कूलों और उच्च शिक्षा को समय की जरूरतों के साथ कैसे जोड़ेगी। ऐसी कौन सी प्राथमिकताएं हैं जिन्हें एनईपी में पहचाना गया है और इस लक्ष्य प्राप्ति का उसमें क्या प्रस्ताव है।

यह भी कि बच्चों के सशक्तिकरण और उनके भविष्य की तैयारी के लिए इसमें क्या प्रावधान

किए गए हैं? इसलिए, चुनौती इस बात की है कि इस महत्वाकांक्षी परिवर्तनकारी एजेंडे को वास्तविकता में कैसे उतारा जाए।

वेबिनार का मकसद, एनईपी 2020 को ज़मीनी स्तर पर लागू करने की दिशा उठाए जाने वाले आवश्यक तत्वों पर विचार करना है। उम्मीद है कि यह वेबिनार, एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं का एक राष्ट्रीय नेटवर्क बनाने का अवसर मुहैया करेगा।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक